सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 123 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 8 जून, 2022
मूल्य ₹ 3/-

मैं असफल नहीं हुआ हूं। मैंने बस 10,000 ऐसे तरीके खोज लिए हैं जो काम नहीं करते हैं।
-थॉमस ए. एडीसन

अन्ना हजारे दिल्ली में फिर... 8 | जातीय समीकरण तय करेंगे लोक... 3 | यूपी में पूरी तरह चरमरा गई है... 7

अब विधान परिषद चुनाव में भाजपा-सपा का मुकाबला

डिप्टी सीएम केशव मौर्य समेत कई मंत्री चुनाव मैदान में, सपा से स्वामी प्रसाद व तीन अन्य ने किया नामांकन

फोटो: सुमित कुमार

» भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने जारी की उम्मीदवारों की लिस्ट सीएम योगी ने दी बधाई

» 13 सीटों पर 20 जून को होंगे चुनाव, नामांकन के दौरान मौजूद रहे अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अब यूपी विधान परिषद चुनाव की जंग शुरू हो गयी है। भाजपा ने आज अपने नौ उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। भाजपा की ओर से डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य समेत कई मंत्री चुनाव मैदान में है। वहीं सपा की ओर से स्वामी प्रसाद मौर्य व तीन अन्य उम्मीदवारों ने आज अपना नामांकन दाखिल किया। इस मौके पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 13 सीटों के लिए आगामी 20 जून को चुनाव होंगे।

यूपी विधान परिषद चुनाव के लिए सत्ताधारी भाजपा ने नौ उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की। इनमें डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, जसवंत सैनी, चौधरी भूपेंद्र सिंह, दयाशंकर मिश्र 'दयालु', जेपीएस राठौर, नरेंद्र कश्यप, दानिश आजाद अंसारी, बनवारी लाल दोहरे और मुकेश शर्मा के नाम शामिल हैं। नौ प्रत्याशियों की सूची में सात मंत्रियों के नाम पहले से ही तय थे, जिसमें केशव प्रसाद मौर्य के अलावा पंचायती राज मंत्री भूपेंद्र चौधरी का परिषद में कार्यकाल खत्म हो रहा है जबकि सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण मंत्री नरेन्द्र कश्यप, संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास राज्यमंत्री जसवंत सैनी, अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री दानिश आजाद अंसारी व आयुष, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु अभी किसी सदन के सदस्य नहीं हैं। ऐसे में इनके लिए विधान परिषद की सदस्यता हासिल करना अनिवार्य है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर सभी उम्मीदवारों को बधाई दी है। 13 सीटों में भाजपा के खाते में नौ और सपा के खाते में चार सीटें आ सकती हैं।

सपा से इन्होंने किया नामांकन

यूपी में विधान परिषद के लिए सपा ने चार प्रत्याशी घोषित किए हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य के अलावा पार्टी सोबरन सिंह यादव के बेटे मुकुल यादव, जासमीर अंसारी और शाहनवाज खान उर्फ शब्बू को विधान परिषद भेज रही है। आज अखिलेश यादव की मौजूदगी में स्वामी प्रसाद मौर्य, जासमीर अंसारी, मुकुल यादव और शाहनवाज खान ने नामांकन किया।

भाजपा ने महाराष्ट्र में पांच और बिहार में दो प्रत्याशी उतारे

नई दिल्ली। भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव के लिए पांच प्रत्याशियों प्रवीण यशवंत दारेकर, प्रो. राम शंकर शिंदे, श्रीकांत भारतीय, उमा गिरीश खापरे और प्रसाद मिनेश लाड के नामों का ऐलान किया है। वहीं बिहार विधान परिषद चुनाव के लिए भाजपा ने हरि साहनी और अनिल शर्मा को चुनाव मैदान में उतारा है।

अपर्णा का नाम नहीं

सात के अलावा दो अन्य सीटों के लिए भाजपा नेता प्रियंका रावत, संतोष सिंह, अमर पाल मौर्य और अपर्णा यादव के नाम चर्चा में थे। इनमें से एमएलसी सीट के लिए अपर्णा यादव की दावेदारी काफी मजबूत मानी जा रही थी। अपर्णा विधान सभा चुनाव से ठीक पहले सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुई थीं। तब ऐसी अटकलें थीं कि उन्हें विधान सभा चुनाव में टिकट दिया जा सकता है, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। ऐसे में अनुमान था भाजपा उन्हें विधान परिषद जरूर भेजेगी। हालांकि अंतिम लिस्ट में उनका नाम नहीं दिखा।

कानपुर हिंसा पर एक्शन में बाल आयोग

पुलिस से पूछा, क्या बच्चों का हुआ इस्तेमाल

» नाबालिग के थाने में समर्पण का वीडियो वायरल होने पर लिया संज्ञान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने कानपुर की कमिश्नरेट पुलिस से इस बात की जांच करने को कहा कि क्या कानपुर में हुए उपद्रव में असामाजिक तत्वों ने बच्चों का भी इस्तेमाल किया था। पुलिस द्वारा जारी पोस्टर को देखकर किशोर के थाने में आत्मसर्पण करने का वीडियो वायरल होने के बाद आयोग ने इसका संज्ञान लिया है।

पुलिस ने जो पोस्टर वायरल किए थे, उसे देखकर एक किशोर ने मंगलवार को कर्नलगंज थाने में आत्मसमर्पण कर दिया था। इस पर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने पुलिस आयुक्त विजय सिंह मीना को पत्र लिखा है। पत्र में नाबालिगो का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कहा गया है। वहीं पुलिस आयुक्त विजय सिंह मीना ने बताया कि अब तक उनको पत्र प्राप्त नहीं हुआ है।

महंगाई से राहत नहीं, होम, कार और पर्सनल लोन होंगे महंगे

» आरबीआई ने रेपो रेट में किया 50 बेसिस प्वाइंट का इजाफा

» रिटेल महंगाई दर के 7.5 फीसदी रहने का अनुमान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने आज रेपो दर में 50 बेसिस प्वाइंट की वृद्धि का ऐलान किया। इससे बैंक ग्राहकों को जोरदार झटका लग सकता है क्योंकि जल्द ही बैंक होम, पर्सनल और कार लोन की ईएमआई में बढ़ोतरी कर सकते हैं। आरबीआई गवर्नर ने बताया कि केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने सर्वसम्मति से रेपो दर में 50 बेसिस प्वाइंट बढ़ाने के लिए मतदान किया है। अब यह दर 4.90 फीसदी हो गई है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने 8 जून को मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक के बाद पांच हफ्तों में दूसरी बार रेपो रेट में बदलाव किया है। इससे पहले पिछले माह 4 मई 2002 को आरबीआई ने अचानक रेपो रेट में 0.40 बेसिस प्वाइंट के इजाफे का ऐलान किया था। आरबीआई ने ग्लोबल मार्केट में कमोडिटी की बढ़ती कीमतों एवं पेट्रोल-डीजल सहित अन्य ईंधन के बढ़ते दबाव की वजह से रेपो रेट में बदलाव किया है। वहीं रिटेल महंगाई दर अप्रैल-जून की तिमाही में 7.5 फीसदी रहने का अनुमान जाहिर किया है। रेपो रेट वह दर होती है जिस पर आरबीआई बैंकों को कर्ज देता है जबकि रिवर्स रेपो रेट उस दर को कहते है जिस दर पर बैंकों को आरबीआई पैसा रखने पर ब्याज देती है। रेपो रेट के कम होने से लोन की ईएमआई घट जाती है जबकि रेपो रेट में बढ़ोतरी से कर्ज महंगा हो जाता है।

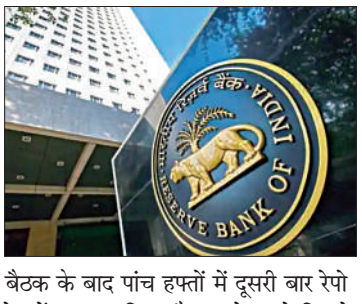

सपा के स्टार प्रचारकों की सूची में शिवपाल का नाम गायब

» पार्टी ने प्रचार के लिए 40 नेताओं के नाम किए तय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया (प्रसपा) के अध्यक्ष और समाजवादी पार्टी के टिकट पर जसवंतनगर सीट से विधायक निर्वाचित शिवपाल सिंह यादव और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच मतभेद एक बार फिर समाने आ गए हैं। समाजवादी पार्टी ने आजमगढ़ व रामपुर लोकसभा सीट के उपचुनाव के लिए अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है, जिसमें शिवपाल सिंह यादव का नाम शामिल नहीं है। समाजवादी पार्टी ने आजमगढ़ व रामपुर लोकसभा सीट के उपचुनाव के लिए 40 नेताओं के नाम भारत निर्वाचन आयोग को भेज दिए हैं।

इसमें सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव, राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव, राष्ट्रीय महासचिव मो. आजम खां व उनके बेटे अब्दुल्ला आजम प्रमुख हैं। स्टार प्रचारकों की सूची में शिवपाल सिंह यादव का नाम गायब है। पार्टी के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव की ओर से चुनाव आयोग को भेजी गई सूची में प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष अबु आसिम आजमी, पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान, स्वामी प्रसाद मौर्य, इन्द्रजीत सरोज, लालजी वर्मा,

राम अचल राजभर, रामगोविन्द चौधरी, माता प्रसाद पाण्डेय, भगवत सरन गंगवार, दुर्गा प्रसाद यादव व नफीस अहमद हैं। 40 स्टार प्रचारकों की सूची में 20 विधायक शामिल हैं। दोनों ही जगह उपचुनाव 23 जून को होगा। 26 जून को मतगणना होगी। बता दें कि शिवपाल सिंह यादव वर्तमान में इटावा जिले के जसवंतनगर विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के विधायक हैं।

शिवपाल और अखिलेश के बीच बढ़ी दरार

शिवपाल और अखिलेश के बीच दरार तब बढ़ गई थी, जब उन्होंने अपने चाचा को 26 मार्च को हुई सपा के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक में आमंत्रित नहीं किया था। शिवपाल ने विपक्षी गठबंधन की बैठक में भी हिस्सा नहीं लिया था। शिवपाल ने 31 मार्च को शपथ ली और बाद में वह लखनऊ में मुख्यमंत्री आवास पहुंचे थे, जिससे उनके पाला बदलने की अटकलों को हवा मिली थी। प्रसपा प्रमुख शिवपाल सिंह यादव ने कुछ माह पहले भाजपा के साथ बढ़ती दोस्ती के तब संकेत दिए थे, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ट्विटर पर फालो करना शुरू कर दिया था।

शिवपाल यादव ने अपने भतीजे व सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से अनबन के बाद अलग पार्टी बना ली थी, लेकिन विधानसभा चुनाव 2022 से पहले दोनों नेताओं में समझौता हो गया था। शिवपाल ने सपा के चुनाव चिह्न पर ही विधानसभा चुनाव लड़ा था। चुनाव परिणाम के बाद शिवपाल और अखिलेश के बीच के बीच फिर से मतभेद बढ़ गए थे।

यूपी में तिरंगा शाखा लगाएगी आम आदमी पार्टी : संजय सिंह

» एक जुलाई से शुरू होगा आप का अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

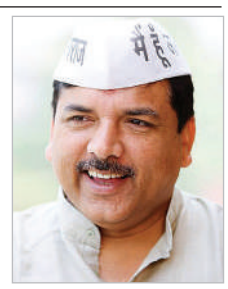

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव की तैयारियों में जुटी आम आदमी पार्टी (आप) अब पूरे प्रदेश में तिरंगा शाखा का आयोजन करेगी। पार्टी के प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि छह माह में 10 हजार शाखाओं का आयोजन किया जाएगा। इसकी शुरुआत एक जुलाई से होगी। शाखा में महापुरुषों की जीवनी पर चर्चा होगी। पहली शाखा में बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के जीवन पर आधारित वीडियो दिखाया जाएगा।

वहीं गंगा और गोमती नदी की सफाई व पौधरोपण अभियान में भी शाखा सदस्य श्रमदान करेंगे। उन्होंने कहा कि शाखाओं के आयोजन के लिए पांच लोगों की समन्वय समिति बनाई गई है। इसमें आशुतोष सेंगर, जनक प्रसाद, बृजलाल लोधी, संदीप कुमार और अभिषेक सुधीर शामिल हैं। यह कमेटी तय करेगी कि प्रदेश में तिरंगा शाखा को कैसे विस्तार दिया जाए। उन्होंने कहा कि तिरंगा शाखा की शुरुआत में सभी लोग तिरंगा सामने लगाकर शाखा में शामिल होंगे। तिरंगे को नमन करने के बाद सबसे पहले संविधान की प्रस्तावना को शाखा प्रमुख के साथ सभी सदस्य दोहराएंगे। इसके बाद बाबा साहब के जीवन पर आधारित 10 मिनट का एक वीडियो दिखाया जाएगा। फिर बाबा साहब के जीवन पर चर्चा के साथ राष्ट्रीय, राज्य व स्थानीय मुद्दों पर क्षेत्र में रचनात्मक कार्यों के निर्माण का संकल्प लिया जाएगा। उन्होंने तिरंगा शाखा से जुड़ने के लिए हेल्पलाइन नंबर 8805328805 भी जारी किया।

यूपी के स्कूलों में भी पढ़ाएं मराठी : कृपाशंकर

» महाराष्ट्र बीजेपी के नेता ने सीएम योगी को लिखी चिट्ठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराष्ट बीजेपी के नेता कृपाशंकर सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को चिट्ठी लिखकर यूपी के छात्रों को भी मराठी भाषा पढ़ाने की अपील की है। उन्होंने सीएम योगी को लिखी चिट्ठी में उनसे यूपी के माध्यमिक तथा उच्च माध्यमिक स्कूलों में छात्रों को वैकल्पिक विषय के रूप में मराठी की शिक्षा देने पर विचार करने का आग्रह किया है।

उनकी दलील है कि इससे यूपी के छात्रों को महाराष्ट्र में बेहतर नौकरी हासिल करने में मदद मिलेगी। सीएम योगी को लिखी चिट्ठी में सिंह कहते हैं कि महाराष्ट्र में बिताए अपने

50 वर्षों के दौरान मैंने पाया कि माध्यमिक और उच्च माध्यमिक परीक्षा पास करने वाले छात्र रोजगार के लिए बड़ी संख्या में महाराष्ट्र आते हैं। इन छात्रों को मराठी भाषा की कोई समझ नहीं होती, ऐसे में इन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। साथ ही वह कहते हैं महाराष्ट्र सरकार और निगमों में भी कई नौकरियां निकलती हैं, जिनमें मराठी भाषा का ज्ञान जरूरी होता है। ऐसे में मेरी राय है कि यूपी के स्कूलों में मराठी को वैकल्पिक विषय बनाने से इन छात्रों को यहां बेहतर नौकरी हासिल करने में मदद मिलेगी।

निरहुआ से दोगुने अमीर हैं धर्मेंद्र यादव

» गाड़ियों के मामले में ज्यादा शौकीन हैं निरहुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के चीफ अखिलेश यादव द्वारा लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद आजमगढ़ सीट पर उपचुनाव होने जा रहे हैं। इस चुनाव में सपा की तरफ से मुलायम सिंह यादव के भतीजे धर्मेंद्र यादव मैदान में हैं तो वहीं बीजेपीने दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ को अपना प्रत्याशी बनाया है। भोजपुरी सिने जगत से राजनीति में आने वाले दिनेश लाल यादव अपने प्रतिद्वंदी धर्मेंद यादव से संपत्ति के मामले में काफी पीछे हैं।

2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान निरहुआ ने जो हलफनामा चुनाव आयोग को दिया था उसमें बताया था कि उनके पास करीब 5 करोड़ 93 लाख रुपये की

कुल संपत्ति है। 2019 में धर्मेंद यादव ने अपनी कुल संपत्ति करीब 12 करोड़ रुपये बताई थी। धर्मेंद निरहुआ से दोगुने अमीर हैं लेकिन गाड़ियों के मामले में निरहुआ धर्मेंद से ज्यादा शौकीन हैं। धर्मेंद यादव के पास गाड़ियों के नाम पर एक टोयोटा क्वालिस है। धर्मेंद के नाम पर एक ट्रैक्टर भी है। सपा प्रत्याशी धर्मेंद्र यादव चुनाव को लेकर कहते हैं कि उत्तर प्रदेश में चाहे किसी की भी हवा चली हो लेकिन आजमगढ़ के लोगों ने हमेशा समाजवादियों को ताकत दी। ऐसी सरजमीं पर आकर मुझे लोगों की सेवा करने का अवसर मिला इसके लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और आजमगढ़ की जनता और पार्टी नेताओं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करता हूं। परिवारवाद के बारे में कहा कि भाजपा पहले वह अपना परिवारवाद देखे।मेरी लड़ाई ऐसे लोगों के साथ है जिन्होंने यूपी और देश की जनता को गुमराह किया, लोगों से झूठ बोला। कहा कि चुनाव आता है तो महंगाई कम हो जाती है। वहीं चुनाव बीतने के बाद बढ़ जाती है। चुनाव आता है तो फ्री राशन मिलता है उसके बाद बंद हो जाता है। उन्होंने कहा मेरी लड़ाई ऐसे लोगों से है जिन्होंने जनता से झूठे वादे किए है।

विकास... और तेज़....

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

भड़काऊ बयान नहीं दे सकेंगे भाजपा प्रवक्ता

» भड़काऊ बयान देने वाले 38 नेताओं की बनी सूची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हजरत मोहम्मद साहब पर भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा के विवादित बयान के बाद भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने प्रवक्ताओं और पैनलिस्ट की लगाम कसी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सभी राष्ट्रीय और प्रदेश प्रवक्ताओं के साथ विवादित बयानों के कारण सुर्खियों में रहने वाले नेताओं को पार्टी लाइन के विपरीत बयान नहीं देने का फरमान जारी किया है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा ने धार्मिक भावनाएं भड़काने वाले बयान देने वाले 38 नेताओं की लिस्ट बनाई है। इनमें से 27 नेताओं को कड़ी हिदायत दी गई है और उनसे कहा गया है कि कोई भी बयान देने से पहले पार्टी से अनुमति लें। अनंत कुमार हेगड़े, गिरिराज सिंह, संगीत सोम, शोभा करंडलाजे, तथागत राय, प्रताप सिन्हा, विनय कटियार, टी राजा सिंह, विक्रम सैनी, साक्षी महाराज जैसे भाजपा नेताओं को धार्मिक भावनाएं आहत करने वाले बयान देने वाला माना गया है। इधर भाजपा प्रवक्ताओं को भी इस मसले पर कोई भी बयान नहीं जारी करने की हिदायत दी गई है।

जातीय समीकरण तय करेंगे लोक सभा उपचुनाव के नतीजे

आजमगढ़ में त्रिकोणीय मुकाबला तो रामपुर में कांटे की टक्कर

» सपा की प्रतिष्ठा दांव पर गढ़ बचाने की चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बदले सियासी माहौल में रामपुर और आजमगढ़ की लोक सभा सीटों पर होने वाले चुनाव के परिणाम यहां के जातीय समीकरण तय करेंगे। बसपा ने आजमगढ़ में शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली को मैदान में उतारकर जहां मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है वहीं रामपुर में कांग्रेस के गढ़ नूर महल ने भाजपा प्रत्याशी को समर्थन देकर आजम खां का सिरदर्द बढ़ा दिया है। वहीं भाजपा पिछड़ों, दलितों और सवर्णों के भरोसे किला फतह करना चाहती है।

आजमगढ़ से भाजपा ने 2019 के लोक सभा चुनाव में हारे दिनेश लाल यादव निरहुआ को फिर मैदान में उतारा है जबकि सपा की ओर से अखिलेश यादव के चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव ताल ठोंक रहे हैं। रामपुर में सपा और भाजपा के बीच सीधा मुकाबला है। यहां भाजपा ने घनश्याम लोधी को टिकट दिया है। लोधी कभी आजम खां के करीबी थे। 2022 विधान सभा चुनाव से पहले उन्होंने सपा छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था। यहां से सपा ने आजम के करीबी आसिम रजा का उतारा है यानी यहां आजम के दोनों करीबियों के बीच कड़ा मुकाबला होगा। आजमगढ़ लोक सभा क्षेत्र में पांच विधान सभा सीटें आती हैं। इनमें गोपालपुर, सगड़ी, मुबारकपुर, आजमगढ़ और मेहनगर शामिल हैं। 2022 के विधान सभा चुनाव में सभी सीटों पर सपा उम्मीदवारों को जीत मिली थी। इन सीटों पर सपा को करीब चार लाख 36 हजार वोट मिले थे जबकि भाजपा उम्मीदवारों को करीब तीन लाख 30 हजार वोट मिले थे। हालांकि, 2019 के लोक सभा चुनाव के मुकाबले सपा और भाजपा दोनों के वोटों शेयर में कमी आई है। सपा को करीब दो लाख वोट कम मिले जबकि भाजपा को 2019 के मुकाबले करीब 30 हजार वोटों का नुकसान हुआ। दूसरी ओर रामपुर लोक सभा सीट में भी पांच विधान सभा सीटें आती हैं। 2022 के विधान सभा चुनाव में इन पांच में से तीन सीटें सपा को तो दो सीटें भाजपा को मिली थीं। रामपुर विधान सभा सीट से आजम खान, स्वार से उनके बेटे अब्दुल्ला आजम और चमरौआ विधान सभा सीट से नसीर अहमद खान सपा के टिकट पर जीते थे। वहीं, बिलासपुर सीट से बलदेव औलख और मिलख सीट से राजबाला सिंह भाजपा के टिकट पर जीतीं थीं। पांचों विधान सभा सीटों पर भाजपा को कुल चार लाख सात हजार से अधिक वोट मिले। सपा को 5 लाख 52 हजार से ज्यादा वोट मिले। इस तरह सपा को भाजपा के मुकाबले करीब एक लाख 44 हजार से ज्यादा वोट मिले थे। हालांकि, लोक सभा के मुकाबले दोनों के कुल वोट में कमी आई थी। सपा को जहां लोक सभा के मुकाबले करीब सात हजार वोट कम मिले वहीं, भाजपा को करीब 41 वोटों का नुकसान हुआ। 2019 के लोक सभा चुनाव में आजमगढ़ सीट पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव को जीत मिली थी। उन्होंने भाजपा के दिनेश लाल यादव निरहुआ को हराया था। वहीं रामपुर सीट से सपा के आजम खां ने भाजपा की जयाप्रदा को हराया था। उस समय सपा-बसपा का गठबंधन था। ऐसे में सपा को दलितों का वोट भी मिला था लेकिन विधान सभा चुनाव में दलितों के भाजपा के पाले में आने से आजमगढ़ में मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है क्योंकि गुड्डू जमाली के जरिए बसपा प्रमुख मायावती ने मुस्लिम-दलित गठजोड़ का दांव चल दिया है। ऐसे में सपा के सामने मुस्लिम वोटों के बंटवारे को रोकने पर भी फोकस करना होगा। दूसरी ओर दिनेश लाल यादव निरहुआ के कारण यादव वोटों को भी सहेजना बड़ी चुनौती होगी। जाहिर है, जातीय समीकरण यहां जीत-हार तय करेंगे। रामपुर में मुख्य मुकाबला सपा-भाजपा के बीच है। भाजपा प्रत्याशी घनश्याम लोधी यहां मुस्लिम मतदाताओं को अपनी ओर खींचने में कितने सफल होंगे यह तो परिणाम बताएगा।

जातीय समीकरण

आजमगढ़ लोक सभा सीट के तहत मेंहनगर, आजमगढ़ सदर, मुबारकपुर, सगड़ी और गोपालपुर विधान सभा सीटें आती हैं। मेंहनगर विधान सभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। यहां एक लाख से ज्यादा दलित वोटर हैं। इसके अलावा 70 हजार से ज्यादा यादव वोटर हैं। राजभर और चौहान मतदाताओं की संख्या भी 35 हजार से अधिक है। इस सीट पर मुस्लिम वोटरों की संख्या भी 20 हजार से ज्यादा है। आजमगढ़ सदर सीट पर सबसे ज्यादा 75 हजार से अधिक यादव वोटर हैं। दलित और मुस्लिम मतदाताओं की संख्या भी 60 हजार के करीब है। मुबारकपुर मुस्लिम बहुल सीट है। यहां मुस्लिम मतदाता एक लाख 10 हजार से ज्यादा हैं। वहीं, दलित वोटरों की संख्या 78 हजार तो यादव वोटरों की संख्या 61 हजार के करीब है। बसपा उम्मीदवार गुड्डू जमाली इस सीट से 2017 में विधान सभा चुनाव जीते थे। सगड़ी सीट में 82 हजार से ज्यादा अनुसूचित जाति के मतदाता हैं। वहीं, यादव मतदाताओं की संख्या भी 55 हजार से ज्यादा है। कुर्मी वोटरों की संख्या 40 हजार से ज्यादा है तो मुस्लिम मतदाता भी 30 हजार से अधिक हैं। आजमगढ़ लोकसभा के तहत आने वाली पांचवीं सीट गोपालपुर यादव बहुल है। यहां 68 हजार से ज्यादा यादव वोटर हैं। दलित मतदाताओं की संख्या भी 53 हजार से ज्यादा है। वहीं, मुस्लिम मतदाता भी 42 हजार से अधिक हैं। रामपुर लोक सभा सीट के तहत भी पांच विधान सभा सीटें आती हैं। इसमें रामपुर, स्वार और चमरौआ सीट मुस्लिम बहुल सीटे हैं। तीनों सीट पर मुस्लिम मतदाताओं की संख्या 50 फीसदी से ज्यादा है। रामपुर सीट पर 63 फीसदी, स्वार सीट पर 55 फीसदी और चमरौआ सीट पर 53 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। बिलासपुर सीट पर भी 30 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं।

संजय निषाद को नहीं पसंद हैं लोहिया!

» बंगले में सपा शासन में लगी थी प्रतिमा

» कैबिनेट मंत्री ने अलॉट होते ही ढंकवाया

» पहले लोहिया ट्रस्ट का चलता था कार्यालय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डॉ. राम मनोहर लोहिया के जिन आदर्शों का गुणगान प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री करते रहे हैं, वे उनके ही मंत्री को पसंद नही हैं। योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री को लोहिया से इतना परहेज है कि अपने बंगले में बनी उनकी मूर्ति को प्लाईवुड से बंद करवा दिया। लकड़ी की दीवार ऐसी बनाई गई है कि मूर्ति का तनिक भी हिस्सा नजर न आए। लखनऊ के विक्रमादित्य मार्ग पर 1-नंबर बंगला मत्स्य विभाग के कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी चीफ संजय निषाद को मिला हुआ है। यह बंगला दो दशक तक लोहिया ट्रस्ट के नाम आवंटित रहा। इसी बंगले के लॉन में समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की मूर्ति लगी है।

बंगला अलॉट होते ही मंत्री ने सबसे पहले इस मूर्ति को नजरों से ओझल करने के लिए प्लाईवुड की दीवारों में बंद करवा दिया। डॉ. संजय निषाद ने साल 2013 में निषाद पार्टी बनाई थी। संजय निषाद कैम्पियरगंज विधान सभा से पहली बार चुनाव लड़े और इसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद संजय निषाद ने 7 जून 2015 को गोरखपुर के सहजनवा में कसरावल गांव के पास निषादों को अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग को लेकर रेलवे ट्रैक जाम कर दिया था। साल 2017 में योगी आदित्यनाथ जब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने गोरखपुर लोकसभा सीट से इस्तीफा दे दिया। इस बार विधान सभा चुनाव से पहले ही उन्होंने भाजपा के साथ गठबंधन किया था। योगी कैबिनेट में उन्हें मत्स्यपालन विभाग का मंत्री बनाया गया है।

अप्रैल में संजय निषाद को अलॉट हुआ था बंगला

मंत्री डॉ. संजय निषाद को पहले मॉल एवेन्यू में बंगला आवंटित था लेकिन मंत्री बनने के बाद उन्हें बड़े बंगलों में से एक विक्रमादित्य मार्ग का एक नम्बर बंगला दिया गया। यह बंगला सितंबर 2019 से खाली पड़ा था। इससे पहले यहां लोहिया ट्रस्ट हुआ करता था, लेकिन 2018 में राज्य संपत्ति विभाग की ओर से ट्रस्ट को बेदखली का नोटिस दिया गया था।

लोहिया को संघर्षशील नेता के रूप में देखते हैं सीएम योगी

सीएम योगी ने पिछले साल कहा था कि हमारे महापुरुषों ने खासकर बाबा साहब और लोहिया जैसे चिंतकों ने देश में जिस जनप्रतिनिधित्व और जनभागीदारी की कल्पना की थी। मोदी के नेतृत्व में वो सरकार से लेकर समाज तक साकार हो रही है। सीएम योगी ने विधान सभा में कहा कि जब समाजवाद की बात होती है तो डॉ.लोहिया, जयप्रकाश जैसे संघर्षशील नेताओं की चर्चा होती है।

लोहिया के सिद्धांतों के मुरीद हैं पीएम

मंत्री संजय निषाद को जिस लोहिया से इतना परहेज है, उनकी तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई मौकों पर कर चुके हैं। पीएम मोदी ने 2015 में लोहिया के बारे में कहा था कि राम मनोहर लोहिया, जिन्होंने भारतीय राजनीति पर गहरी छाप छोड़ी, उनकी जयंती पर मैं उनके प्रति अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मोदी ने कहा था कि कई अन्य बातों के अलावा स्वच्छता के प्रति डॉ. राम मनोहर लोहिया की प्रतिबद्धता हमें लगातार प्रेरित करती रहती है। 2021 में पीएम मोदी ने राम मनोहर लोहिया की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि कई ऐतिहासिक घटनाओं में उनकी अग्रणी भूमिका रही और हमारे स्वतंत्रता संग्राम में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

घाटी में नए सुरक्षा बंदोबस्त के मायने

सवाल यह है कि क्या कॉलोनियों में अर्द्धसैनिक बलों की तैनाती नागरिकों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त होगी? क्या एक-एक नागरिक की सुरक्षा संभव है? क्या स्थानीय लोगों में विश्वास की भावना जगाए बिना आतंकियों से निपटना आसान होगा? क्या स्थानीय स्लीपर सेल और पाकिस्तान से आने वाले आतंकियों का सफाया किए बिना घाटी में शांति स्थापित की जा सकेगी?

कश्मीर घाटी में आतंकियों द्वारा की जा रही टारगेट किलिंग पर अंकुश लगाने के लिए सरकार नए बंदोबस्त कर रही है। इसके तहत कश्मीरी पंडितों व गैर मुस्लिमों की कॉलोनियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी अर्द्धसैनिक बलों को दी जाएगी। धर्मस्थलों की सुरक्षा के भी विशेष इंतजाम किए जाएंगे। आतंकियों के सफाए के लिए भी सेना को विशेष निर्देश दिए गए हैं। सेना अब स्थानीय हैंडलरों और पाकिस्तानी आतंकियों को चुन-चुनकर सफाया करने की रणनीति पर काम कर रही है। सवाल यह है कि क्या कॉलोनियों में अर्द्ध सैनिक बलों की तैनाती नागरिकों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त होगी? क्या एक-एक नागरिक की सुरक्षा संभव है? क्या स्थानीय लोगों में विश्वास की भावना जगाए बिना आतंकियों से निपटना आसान होगा? क्या स्थानीय स्लीपर सेल और पाकिस्तान से आने वाले आतंकियों का सफाया किए बिना घाटी में शांति स्थापित की जा सकेगी? क्या नागरिकों की सुरक्षा के लिए अन्य विकल्पों पर गौर करने की जरूरत नहीं है?

धारा 370 की समाप्ति, कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास और पटरी पर लौटती कश्मीर घाटी पाकिस्तान और उसके पाले आतंकियों को रास नहीं आ रही है। स्थानीय अलगाववादी भी कश्मीरी पंडितों की वापसी को पसंद नहीं कर रहे हैं। वे गैर प्रांतीय लोगों के कश्मीर में नौकरी करने और संपत्ति खरीदने से भी बौखलाए हैं। दूसरी ओर भारतीय सेना द्वारा आतंकियों के सफाए से भी वे हताश हो रहे हैं। लिहाजा आतंकी संगठनों ने अपनी रणनीति बदल दी है। वे सेना और पुलिस पर हमले करने के बजाए अब गैर मुस्लिमों को चुन-चुनकर निशाना बना रहे हैं। आतंकियों द्वारा टारगेट किलिंग की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। इसके कारण यहां के गैर मुस्लिम कश्मीरियों में दहशत का माहौल पैदा हो गया है। वे अब सरकार से पुख्ता सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। इसके लिए घाटी में प्रदर्शन भी किए गए। लिहाजा सरकार ने घाटी में रणनीति में बदलाव किया है। सरकार ने एक ओर सेना को आतंकियों का तेजी से सफाया करने का निर्देश दिया है तो दूसरी ओर दहशत में जी रहे गैर मुस्लिम कश्मीरियों को फौरी तौर पर सुरक्षा मुहैया कराने जा रही है। बावजूद इसके सरकार को समझना होगा कि कॉलोनियों में दीर्घकाल तक अर्द्धसैनिक बलों को तैनात नहीं किया जा सकता है। लिहाजा नागरिकों की सुरक्षा के लिए उसे किसी वैकल्पिक रणनीति पर काम करना होगा। इसके साथ उसे जल्द से जल्द घाटी में न केवल आतंकियों बल्कि इनकी मदद कर रहे स्थानीय स्लीपर सेल को पहचान कर उनका सफाया करना होगा। वहीं भारत सरकार को पाकिस्तान पर वैश्विक दबाव भी बनाना होगा कि वह आतंकियों को पनाह देना बंद करे।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राज्य सभा की बदलती तस्वीर

प्रभु चावला

ब्रिटिश संसद के उच्च सदन में कुलीन लोगों को जगह मिलती है। इसका अनुसरण करते हुए भारतीय संसद के उच्च सदन राज्य सभा में राजनीतिक कुलीनों का वास होता है। बिना मेहनत के सुस्ती से सत्ता पाना उनका विशेषाधिकार है क्योंकि जिन्हें जनता नहीं चुनती, वे नेताओं के लिए चयन योग्य हो जाते हैं। राज्य सभा की 57 सीटों के लिए चुनाव प्रक्रिया चल रही है, जिसमें बुजुर्गों के साथ युवा भी मैदान में हैं। चूंकि 90 फीसदी से ज्यादा राज्य सभा सांसदों को बोलने के लिए शायद ही कुछ मिनट मिलते हैं तो इनकी मौजूदगी शोर करने और पार्टी के निर्देश के अनुसार मत डालने के लिए होती है, लेकिन उन्हें विभिन्न लाभ मिलते हैं, जिन पर प्रति सदस्य हर माह करदाताओं के 10 लाख रुपये खर्च हो जाते हैं। इन दिनों नये व पुराने चेहरों में से सदस्य चुनने का चलन है। भाजपा ने एक दर्जन मौजूदा सांसदों पर नये लोगों को तरजीह दी है। कांग्रेस का दांव पुराने लोगों पर है जो अनुभवी हैं। भाजपा का तीन मुस्लिम चेहरों को किनारे करना यह इंगित करता है कि उसे अल्पसंख्यक वोटों की उम्मीद नहीं रही।

भाजपा महिलाओं, आदिवासियों, अति पिछड़े समुदायों आदि को प्रतिनिधित्व देकर व्यापक सोशल इंजीनियरिंग के अभियान पर है और कुछ हद तक राज्य स्तर पर नये नेता भी बना रही है। प्रधानमंत्री मोदी बाहरी लोगों की अपेक्षा स्थानीय नेताओं को प्राथमिकता दे रहे हैं। भाजपा के 16 में से छह उम्मीदवार महिलाएं हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण केवल ऐसी प्रत्याशी हैं, जिन्हें कर्नाटक से तीसरी बार उम्मीदवार बनाया गया है। पहले चुनाव हारे हुए नेताओं को उच्च सदन का उपहार दिया जाता था। अब भाजपा में 75 साल की आयु सीमा को लचीला किया है। राजस्थान के घनश्याम तिवारी 72 साल के हैं और सेवानिवृत्त होते समय 78 साल के हो जायेंगे। भाजपा सूत्रों के अनुसार, उन्हें पार्टी के ब्राह्मण चेहरे के रूप में आगे किया गया है। दूसरे दलों को तोड़ने की रणनीति पर चलते हुए भाजपा ने राजस्थान, महाराष्ट्र और हरियाणा में अतिरिक्त उम्मीदवार भी उतारे हैं, जो गणमान्य हैं और उनके पास संसाधन हैं। बहरहाल, इस चुनाव के बाद राज्यसभा में केसरिया खेमे का स्वरूप बदल जायेगा। सत्ता प्रतिष्ठान की पुनर्संरचना के लक्ष्य को पाने के लिए आवश्यक संवैधानिक संशोधन पारित करने के लिए मोदी को उच्च सदन में एक सेना की आवश्यकता है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस मोदी की इस

योजना को भांप गयी है और वह अपने विश्वस्त लोगों को सदन में ला रही है. भले ही उनके समर्थक इसे ठोस रणनीति कहें पर सोनिया गांधी का लक्ष्य पार्टी के सांगठनिक और विधायी इकाइयों पर पूर्ण नियंत्रण का है। सोनिया की पसंद से यह भी इंगित होता है कि राहुल के लिए चुनौती बन सकने वाले वह किसी भी नेता को परे रखना चाहती हैं। राजस्थान में तीन जीतने लायक सीटों के लिए बाहरी लोगों को उम्मीदवार बना कर उन्होंने बड़ा दांव खेला है। पार्टी के लोग अचंभित हैं कि वे यह सब उस राज्य में कर रही हैं, जहां अगले साल चुनाव है। दो साल से गहलोत सरकार पर भाजपा की तलवार लटक रही है। स्थानीय नेताओं को चुनने और पार्टी को एकजुट करने की बजाय गांधी परिवार ने विश्वासपात्र और संसाधन संपन्न लोगों का समर्थन किया है। उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश, जहां पार्टी शून्य हो चुकी है, के कांग्रेसी नेता प्रमोद तिवारी को तीसरी सीट दी गयी है। वे दशकों तक पार्टी विधायक दल के नेता रहे हैं और अपनी विधायक सीट कभी नहीं हारे हैं।

गांधी परिवार बीते कुछ साल से हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और सबसे प्रभावशाली कांग्रेस नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा को अनदेखा कर रहा था और रणदीप सूरजेवाला पर भरोसा कर रहा था, पर अब उनकी आंख खुली है और हुड्डा को राज्य में खुली छूट दे दी गयी है। दलित नेता कुमारी शैलजा को पार्टी अध्यक्ष पद और राज्य सभा से हटा कर उनकी जगह अजय माकन को लाया गया है। महाराष्ट्र से दलित नेता मुकुल वासनिक गांधी परिवार की तीन पीढ़ियों से जुड़े हैं। नये-पुराने नेताओं में सामंजस्य के लिए पार्टी को उनकी आवश्यकता है। उत्तर प्रदेश से मुस्लिम नेता इमरान प्रतापगढ़ी को महाराष्ट्र की अकेली सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। छत्तीसगढ़ में गांधी परिवार ने बिहार के चर्चित नेता पप्पू यादव की पत्नी रंजीता रंजन को चुना है। आम आदमी पार्टी भी संसाधन संपन्न और नये चेहरों पर दांव लगा रही है। इसके आधे सदस्य कारोबार से जुड़े हैं या दूसरे दलों से आये हैं। पीछे देखें, तो राज्य सभा उनके लिए रही है, जो चुनाव नहीं जीत सकते। डॉ मनमोहन सिंह ऊपरी सदन के जरिये प्रधानमंत्री बने। जयंत चौधरी राज्य सभा पहुंचे हैं। स्पष्ट है कि इस चुनाव का असर राष्ट्रपति के चुनाव तथा भाजपा एवं उसके मित्रों व शत्रुओं के राजनीतिक भविष्य की रूपरेखा में होगा।

पर्यावरण प्रदूषण के मूल को समझना जरूरी

राजेश कश्यप

नगरों-महानगरों में पर्यावरण प्रदूषण के कारण सांस लेना दूभर होता चला जा रहा है। दिनोंदिन पृथ्वी गरम हो रही है। मौसम में अप्रत्याशित परिवर्तन व असंतुलन बढ़ रहा है। असाध्य बीमारियों का मकड़जाल फैलता चला जा रहा है। अतिवृष्टि व अनावृष्टि कहर बरपा रही हैं। भयंकर चक्रवात तबाही मचा रहे हैं। भूस्खलन के मामले निरन्तर बढ़ रहे हैं। हिमनद सूख रहे हैं। उत्तरी व दक्षिणी ध्रुवों की बर्फ पिघलकर महाविनाश की भूमिका तैयार कर रही है। यह सब प्राकृतिक आपदाएं मानव द्वारा प्रकृति के साथ की जा रही छेड़छाड़ का ही नतीजा है। पर्यावरण प्रदूषण के कारण सामान्य जन-जीवन खतरे में पड़ चुका है।

प्रतिवर्ष पर्यावरण दिवस मनाया जाता है और पर्यावरण प्रदूषण के प्रति गहन चिंतन किया जाता है। इसके साथ ही अधिक से अधिक पेड़ पौधे लगाने की शपथ भी ली जाती हैं लेकिन, सब औपचारिकताओं के दायरे में ही सिमटकर रह जाता है। जब तक हम पर्यावरण प्रदूषण के मूल को नहीं समझेंगे, तब तक हमें सकारात्मक परिणाम नहीं मिल सकते। पर्यावरण प्रदूषण में वायु, जल, मृदा, ध्वनि, नाभिकीय प्रदूषण शामिल हैं। वायु को प्रदूषित करने वाले मुख्यत: तीन कारक हैं। अचल दहन, चलायमान दहन और औद्योगिक अपशिष्ट। अचल दहन के तहत जब कोयला, पेट्रोलियम आदि जीवाश्म ईंधन जलते हैं तो इससे सल्फर डाइऑक्साइड, सल्फर ट्राइऑक्साइड, कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड, नाइट्रोजन डाइऑक्साइड आदि गैंसें निकलती हैं और वातावरण में मौजूद जलीय कणों के साथ मिलकर गन्धकीय तेजाब, सल्फूरस अम्ल, नाइट्रिक अम्ल आदि का निर्माण करती हैं और अम्लीय वर्षा के रूप में पृथ्वी पर आकर अपने घातक प्रभाव डालती हैं। इन घातक प्रभावों में मुख्य रूप से पौधों की बढ़वार प्रभावित होना, मृदा के पोषक तत्वों का हनन होना, मत्स्य प्रजनन का रूकना, श्वसन तंत्र का प्रभावित होना शामिल हैं। चलायमान दहन के तहत स्कूटर, मोटरसाइकिल, कार, बस, हवाई जहाज, रेल आदि परिवहन के समस्त साधनों से निकलने वाले धुएं से वातावरण में जहर घुलता है। इस धुएं में कार्बन मोनोक्साइड, नाइट्रोजन आक्साइड तथा हाइड्रोकार्बन का मिश्रण होता है। पेट्रोलियम के जलने से ट्रेटाइथल लैड, ट्रेटामिथाइल लैड जैसे लैड योगिक पैदा होते हैं और शरीर में हीमोग्लोबिन के निर्माण को रोककर बेहद घातक कुप्रभाव डालते हैं। औद्योगिक कारखानों में रासायनिक प्रक्रियाओं से होने वाले उत्पादन, उद्योगों से निकलने वाली कार्बन मोनोक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड आदि विषैली गैसों और औद्योगिक कारखानों से निकलने वाले प्रदूषित कचरे से पर्यावरण बेहद प्रदूषित होता है। ध्वनि प्रदूषण में मशीनों का असहनीय शोर-शराबा, डायनामाइट विस्फोट, गोला-बारूद का प्रयोग, हथियारों व बमों का परीक्षण, वाहनों का भारी शोर, लाउडस्पीकर्स आदि जिम्मेदार हैं। विकिरण प्रदूषण ने तो समस्त जीव जगत के जीवन पह गहरे प्रश्नचिन्ह लगा दिए हैं आण्विक विखंडनों से विकिरण प्रदूषण होता है। इतिहास साक्षी है वर्ष 1945 का, जिसके दौरान अमेरिका ने जापान के दो प्रमुख नगरों हीरोशिमा व नागासाकी आण्विक बम गिराए थे और जिससे पूरी दुनिया दहल उठी थी।

आज साढ़े छह दशक बाद भी उन नगरों को उस आण्विक हमले की चोट से मुक्ति नहीं मिली है क्योंकि नाभिकीय अपशिष्ट के रेडियोऐक्टिव तत्व कम से कम एक हजार वर्षों तक सक्रिय रहने की क्षमता रखते हैं। कुल मिलाकर पर्यावरण प्रदूषण ने मौसम और अन्य पर्यावरणीय समीकरणों को गड़बड़ाकर रख दिया है। मौसम और पर्यावरण विशेषज्ञों के मुताबिक अपनी चरम प्रदूषण के चलते प्रमुख सात एशियाई देशों की जलवायु में अप्रत्याशित परिवर्तन आ चुका है और स्थिति निरन्तर भयावह होती चली जा रही है। कई साल पहले ही अनेक देशों के सरकारी और निजी अनुसंधान संस्थानों के विशेषज्ञों चेता दिया था कि भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, मलेशिया, वियतनाम और फिलीपीन जलवायु परिवर्तन के दुश्चक्र में फंस चुके हैं और इन देशों के तापमानों व समुद्री जल स्तर में निरन्तर वृद्धि हो रही है, जिससे इन देशों के तटवर्ती स्थानों पर समुद्री तूफान अपना कहर बरपाएंगे, करोड़ों लोग शरणार्थियों का जीवन जीने के लिए बाध्य होंगे और महामारियों की बाढ़ भी आएगी। प्रकृति के साथ हो रही निरन्तर छेड़छाड़ के कारण ही अनेक जीव-जन्तुओं की प्रजातियों पर गहरा संकट छा चुका है। एक अनुमान के अनुसार धरती पर पाई जाने वाली लगभग चार करोड़ प्रजातियों में से लगभग एक सौ प्रजातियां प्रतिदिन नष्ट हो रही हैं।

समुद्र में तेल के रिसाव व पानी में गन्दे कूड़े-कचरे के बहाव के चलते कई समुद्री जीवों का तो अस्तित्व ही खतरे में पड़ चुका है। पेयजल के बढ़ चुके संकट ने दुनिया की नींद हराम कर दी है। निरन्तर बढ़ रहे पर्यावरण प्रदूषण के प्रति सभी देशों की सरकारें अत्यन्त गंभीर तो हैं, लेकिन इसे रोकने में अहम् भूमिकाएं नहीं निभा पा रहे हैं। ये देश प्रतिवर्ष बैठकर पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन पर जो चिन्ताएं व्यक्त करते हैं और उससे निपटने के लिए जो बड़ी-बड़ी योजनाएं बनाते हैं, उन्हें वास्तविकता में तब्दील करने की आवश्यकता है। विश्व के देशों की सरकारों के साथ-साथ प्रत्येक व्यक्ति को भी पर्यावरण प्रदूषण के प्रति जागरूक होना होगा और पर्यावरण प्रदूषण के प्रति अपनी लापरवाही, अज्ञानता व स्वार्थता पर एकदम अंकुश लगाना होगा।

मॉर्निंग वॉक के बाद डाइट में जरूर शामिल करें ये 5 चीजें

फिट रहने के लिए व्यक्ति क्या कुछ नहीं करता, कभी जिम में घंटों पसीना बहाना तो कभी लंबी सैर पर निकल जाना, वर्कआउट कैसा भी हो, लेकिन फिटनेस बनाए रखने के लिए आपको वर्कआउट के साथ डाइट पर भी ध्यान देना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में आइए जानते हैं वर्कआउट या फिर मॉर्निंग वॉक के बाद दिन भर एक्टिव बने रहने के लिए आपको जरुर खानी चाहिए कौन सी 5 चीजें।

फल

मौसमी फलों का सेवन शरीर के लिए बेहद आवश्यक होता है। इनका सेवन करने से शरीर को ऊर्जा मिलने के साथ कई तरह के विटामिन और अन्य मिनरल भी मिल जाते हैं। यही नहीं, इनका सेवन करने से आपको फाइबर की भी उचित मात्रा प्राप्त होती है।

स्प्राउट्स

स्प्राउट्स जैसे भीगे चने, मूंग आदि का सेवन खासतौर पर सैर करने के बाद किया जाए तो सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद होता है। इसके लिए आप रात भर दालों को भिगो कर रखें। उसके बाद सुबह इन्हे मॉर्निंग वॉक के बाद खा लें। चने खाने से आपको न केवल ऊर्जा मिलेगी बल्कि फाइबर भी मिलेंगे। इससे आपका पेट भी साफ होगा।

दही

मॉर्निंग वॉक के बाद दही को भी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए। इसमें मौजूद प्रोटीन पेट के लिए लाभदायक होता है। साथ ही इसका सेवन करने से मेटाबॉलिज्म भी बढ़ता है। मॉर्निंग वॉक के बाद दही खाने से व्यक्ति का वजन भी कम होता है।

सुबह की सैर के बाद खाएं ये चीजें

ओट्स

ओटस में मौजूद कार्बोहाइड्रेट, फाइबर, प्रोटीन आदि जैसे पोषक तत्व व्यक्ति को लंबे समय तक भूख नहीं लगने देते हैं। जिसकी वजह से व्यक्ति ज्यादा खाने से बच जाता है। इसलिए मॉर्निंग वॉक के बाद ओट्स खाना फायदेमंद हो सकता है।

मेवे

मेवों में भी ओट्स की ही तरह प्रोटीन, विटामिन और अन्य कई मिनरल मौजूद होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करके व्यक्ति को कई रोगों से दूर रखते हैं। आप इन्हें ओटमील, कॉर्नफ्लैक्स आदि में डाल कर भी खा सकते हैं।

हंसना मना है

टीचर- एक तरफ पैसा, दूसरी तरफ अक्ल, क्या चुनोगे? विद्यार्थी- पैसा। टीचर- गलत, मैं अक्ल चुनती विद्यार्थी- आप सही कह रही हो मैडम,जिसके पास जिस चीज की कमी होती है वो वही चुनता है दे थप्पड़... दे थप्पड़...।

पेशेंट- डॉक्टर, मैं खाना न खाऊं तो मुझे भूख लग जाती है। ज्यादा काम करता हूं तो थक जाता हूं, देर तक जगा रहूं तो नींद आ जाती है। मैं क्या करूं? डॉक्टर - रात भर धूप में बैठे रहो, सही हो जाओगे।

पति को बीवी की बनाई पनीर की सब्जी में पनीर ढूंढने से भी नहीं मिल रहा था.! हिम्मत करके पूछा तो बीवी बोली- चुपचाप खा लो, सब्जी का नाम ही खोया पनीर है।

टीचर- श्याम शराब नहीं पीता है, बताओ इस वाक्य में श्याम क्या है... मौंटी- श्याम माता रानी का भक्त है और इस समय नवरात्र चल रहे हैं... टीचर ने अपना माथा पीट लिया... बेवकूफ श्याम कर्ता यानी subject है।

एक सज्जन आदमी ने एक सात साल की लड़की से पूछा -तुम्हारे बाल वाकई बहुत सुन्दर हैं... ये तुम्हें किससे मिले हैं, मम्मी या पापा से...? लड़की ने बड़े सरल लहजे में उत्तर दिया - जहां तक मेरा ख्याल है, मुझे ये बाल मेरे पापा से मिले हैं, क्योंकि उनके सिर के सारे बाल गायब हैं...!

कहानी — कुएं का विवाह

एक बार राजा कर्ष्णिदेव राय और तेनालीराम के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। तेनालीराम रुठकर चले गए। आठ-दस दिन बीते, तो राजा का मन उदास हो गया। राजा ने तुरन्त सेवको को तेनालीराम को खोजने भेजा। आसपास का पूरा क्षेत्र छान लिया पर तेनालीराम का कहीं अता-पता नहीं चला। अचानक राजा को एक तरकीब सूझी। उसने सभी गांवों में मुनादी कराई राजा अपने राजकीय कुएं का विवाह रचा रहे हैं, इसलिए गांव के सभी मुखिया अपने-अपने गांव के कुओं को लेकर राजधानी पहुंचे। जो आदमी इस आज्ञा का पालन नहीं करेगा, उसे जुर्माने में एक हजार स्वर्ण मुद्राएं देनी होंगी। मुनादी सुनकर सभी परेशान हो गए। भला कुएं भी कहीं लाए-ले जाए जा सकते हैं। जिस गांव में तेनालीराम भेष बदलकर रहता था, वहां भी यह मुनादी सुनाई दी। गांव का मुखिया परेशान था। तेनालीराम समझ गए कि उसे खोजने के लिए ही महाराज ने यह चाल चली हैं। तेनालीराम ने मुखिया को बुलाकर कहा मुखियाजी, आप चिंता न करें, आपने मुझे गांव में आश्रय दिया हैं, इसलिए आपके उपकार का बदला में चुकाऊंगा। मैं एक तरकीब बताता हूं आप आसपास के मुखियाओं को इकट्ठा करके राजधानी की ओर प्रस्थान करें। सलाह के अनुसार सभी राजधानीकी ओर चल दिए। तेनालीराम भी उनके साथ थे। राजधानी के बाहर पहुंचकर वे एक जगह पर रुक गए। एक आदमी को मुखिया का संदेश देकर राजदरबार में भेजा। वह आदमी दरबार में पहुंचा और तेनालीराम की राय के अनुसार बोला महाराज! हमारे गांव के कुएं विवाह में शामिल होने के लिए राजधानी के बाहर डेरा डाले हैं। आप मेहरबानी करके राजकीय कुएं को उनकी अगवानी के लिए भेजें, ताकि हमारे गांव के कुएं ससम्मान दरबार के सामने हाजिर हो सकें। राजा को उनकी बात समझते देर नहीं लगी कि ये तेनालीराम की तरकीब हैं। राजा ने पूछा सच-सच बताओ कि तुम्हें यहा अक्ल किसने दी हैं? राजन! थोड़े दिन पहले हमारे गांव में एक परदेशी आकर रूका था। उसी ने हमें यह तरकीब बताई हैं आगंतुक ने जवाब दिया। सारी बात सुनकर राजा स्वयं रथ पर बैठकर राजधानी से बाहर आए और ससम्मान तेनालीराम को दरबार में वापस लाए। गांव वालो को भी पुरस्कार देकर विदा किया।

5 अंतर खोजें

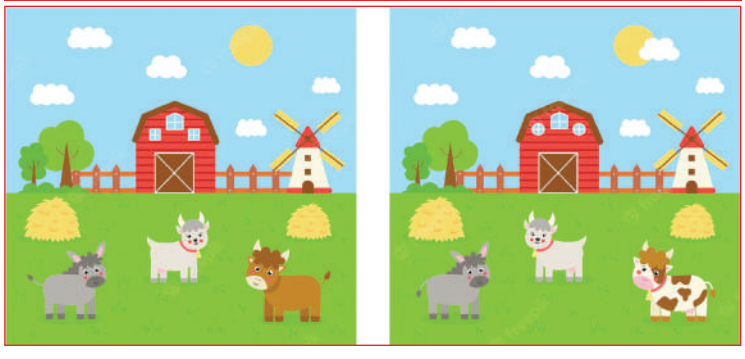

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — स्वार्थी इंसान से बचने की पूरी कोशिश करें, क्योंकि वह तनाव दे सकता है। आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा। आज का दिन हुक्म चलाने का या ऐसा काम करने का नहीं है।

वृषभ — आज आप सकारात्मक ऊर्जा से भरे रहेंगे। महिलाओं के लिए आज का दिन तरक्की देने वाला रहेगा। आज किसी बिजनेस डील के सिलसिले में विदेश जाने का अवसर भी मिल सकता है।

मिथुन — बहुत काम करने से बचें, क्योंकि यह सिर्फ आपको तनाव और थकान ही देगा। मनोरंजन और ऐशोआराम के साधनों पर जरूरत से ज्यादा खर्च न करें।

कर्क — आज आपको कार्यक्षेत्र में सफलता के लिए थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती है। आज किसी नये काम को शुरू करने से पहले किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह जरुर लें।

सिंह — सुकून हासिल करने लिए कुछ पल करीबी दोस्तों के साथ बिताए। प्रोप्रर्टी से जुड़े लेन-देन पूरे होंगे और लाभ पहुंचाएंगे। आपका जबरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे।

कन्या — दिन पॉजिटिव रहेगा, आपकी सभी समस्याओं का अंत होगा। जीवनसाथी के साथ बहस की स्थिति बन सकती है, अपने गुस्से पर काबू रखना आपके लिए बेहतर रहेगा।

तुला — अपनी खुशियों को दूसरों के साथ साझा करना आपकी सेहत को भी बेहतर करेगा, लेकिन ख्याल रखें कि इसे नजरअंदाज करना बाद में भारी पड़ सकता है।

वृश्चिक — करियर में तरक्की के नए अवसर मिलेंगे। सूझ बूझ से सभी व्यवसायिक सम्स्याओं का समाधान कर लेंगे। तनाव से छुटकारा पाने लिए कर्णप्रिय संगीत का सहारा लें।

धनु — आप दूसरों पर कुछ ज्यादा खर्चा कर सकते हैं।काम का तनाव आपके दिमाग पर छा सकता है, जिसकी वजह से परिवार और मित्रों के लिए वक्त नहीं निकाल सकेंगे।

मकर — आज आपके जीवन में सुख-समृद्धि आएगी। आज आप मानसिक रूप से स्वस्थ महसूस करेंगे। सरकारी नौकरी वालों के लिए दिन अच्छा है, आपको किसी उच्च पद की प्राप्ति हो सकती है।

कुम्भ — दोस्तों की मदद से वित्तीय कठिनाइयां हल हो जाएंगी। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ जिंदगी में खुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। मूड आज कुछ उखड़ा-उखड़ा हो सकता है।

मीन — आज आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। घरेलू कार्यों को पूरा करने में दिन बीतेगा। आज किसी पर तुरंत भरोसा करने से बचें, अपना भावनात्मक संतुलन बनाएं रखें।

बॉलीवुड | फिल्म हिट

कमल हासन की विक्रम में सूर्या ने किया है 5 मिनट का सीन

कमल हासन की फिल्म विक्रम बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर हिट साबित हुई है। फिल्म रिलीज के बाद काफी कम वक्त में ही 150 करोड़ से ऊपर का बिजनेस कर चुकी है और इसने अक्षय कुमार की फिल्म पृथ्वीराज को भी कलेक्शन के मामले में पीछे छोड़ दिया है। कमल हासन की फिल्म विक्रम में साउथ के सुपरस्टार एक्टर सूर्या ने गेस्ट अपीयरेंस दिया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस कैमियो रोल के लिए उन्होंने कितनी फीस ली है? साउथ की फिल्मों को जब से मेकर्स ने पैन इंडिया रिलीज करना शुरू किया है तभी से बॉलीवुड के लिए ये बड़ा सिरदर्द बन गई हैं। क्योंकि साउथ की ऑरिजनल कहानियां और जबरदस्त एक्शन दर्शकों को ज्यादा पसंद आ रहा है और ऐसे में बॉलीवुड फिल्मों का बिजनेस सीधे तौर पर साउथ की फिल्मों के चलते प्रभावित होता है। बात करें कमल हासन की फिल्म विक्रम की तो विक्रम बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई है और फिल्म में सुपरस्टार सूर्या का 5 मिनट का रोल है जिसके लिए उन्होंने एक रुपया भी नहीं लिया है। लेकिन सूर्या ने ऐसा क्यों किया? क्योंकि टीजर से लेकर पोस्टर्स तक में उन्हें जगह दी गई है और फिल्म को सूर्या की वजह से भी अच्छा खासा मायलेज मिला है। तो फिर उन्होंने इस फिल्म के लिए फीस क्यों नहीं ली? एक रिपोर्ट के मुताबिक सूर्या के ऐसा करने के पीछे वजह ये थी कि वह इस फिल्म के साथ इमोशनली बहुत कनेक्टेड फील कर रहे थे। सूर्या दिग्गज अभिनेता कमल हासन के बहुत बड़े फैन हैं और उन्हें अपना आइडल मानते हैं। वह बस किसी भी तरह इस फिल्म में कॉन्ट्रिब्यूट करना चाहते थे और ऐसे में उन्होंने फिल्म फी में कर ली। कहा जा रहा है कि कमल हासन की दो और फिल्में अगले साल फ्लोर पर आ रही है।

करण जौहर की अपकमिंग बायोपिक में

अक्षय कुमार संग धूम मचाएंगी अनन्या पांडे!

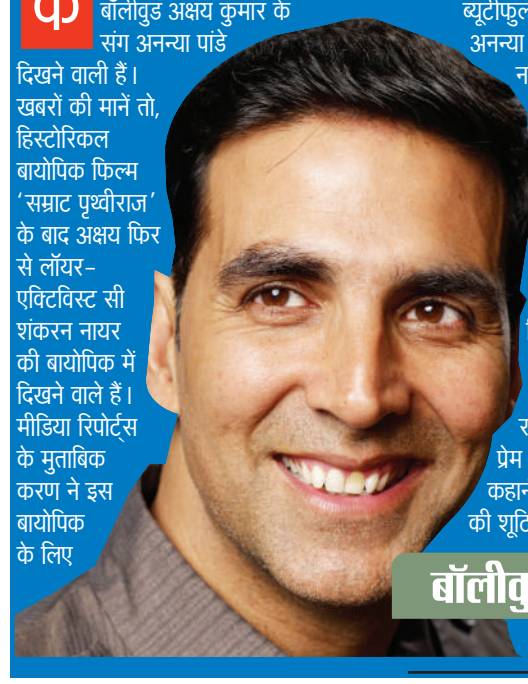

करण जौहर की अपकमिंग बायोपिक में बॉलीवुड अक्षय कुमार के संग अनन्या पांडे दिखने वाली हैं। खबरों की मानें तो, हिस्टोरिकल बायोपिक फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' के बाद अक्षय फिर से लॉयर-एक्टिविस्ट सी शंकरन नायर की बायोपिक में दिखने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक करण ने इस बायोपिक के लिए अक्षय कुमार और ब्यूटीफुल एक्ट्रेस अनन्या पांडे का नाम फाइनल कर लिया है। मिड डे की रिपोर्ट के मुताबिक, करण जौहर अपकमिंग फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' की शूटिंग खत्म करते ही, सी शंकरन नायर की बायोपिक पर काम शुरू कर देंगे. मेकर्स की तरफ से अक्षय कुमार-अनन्या पांडे फिल्म के फाइनल कास्ट हैं हालांकि अभी तक अनन्या ने फिल्म के लिए हामी नहीं भरी है. रिपोर्ट में बताया गया है कि अनन्या के हामी भरते ही फिल्म का आधिकारिक घोषणा की जाएगी।

रिपोर्ट्स में बताया गया है कि अक्षय कुमार सी शंकरन नायर की भूमिका में देखे जाएंगे। वहीं अनन्या पांडे को बेहद खास रोल में दिखने वाली हैं। फिल्म में वह एक जुझारू जूनियर वकील के रोल में देखी जा सकती हैं। इस फिल्म का निर्देशन करण सिंह त्यागी करने वाले हैं. करण सिंह इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में बतौर डायरेक्टर डेब्यू करने जा रहे हैं. फिल्म करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले रिलीज होगी। बताया जा रहा है कि इस बायोपिक को मेकर्स ने 'द अनटोल्ड स्टोरी ऑ? सी शंकरण नायर' टाइटल दिया है। अटकलों की मानें तो फिल्म रघु और पुष्पा की किताब 'द केस दैट शूक एम्पायर' पर आधारित है।

बॉलीवुड | मसाला

ओटीटी पर बजा बाबा निराला का डंका

सिर्फ 32 घंटों में ही बटोर लिए 100 मिलियन व्यूज

बॉबी देओल की वेब सीरीज एक बदनाम आश्रम 3 लंबे इंतजार के बाद अब आखिरकार रिलीज हो चुकी है। इसे ओटीटी प्लेयर एमएक्स प्लेयर पर स्ट्रीम किया गया है। बाबा निराला ने ओटीटी प्लैटफॉर्म पर तहलका मचा कर रख दिया है। भक्तों ने बाबा के दर्शन के लिए लंबा इंतजार किया है। इस बार पुराने सितारों के अलावा कई नए लोगों की भी एंट्री हुई हैं। ऐसे में खबर आई है कि मजह 32 घंटों में सीरीज को 100 मिलियन बार देखा जा चुका है। ओटीटी पर बाबा का डंका बज रहा है। पहले दो सुपरहिट सीजन के बाद आश्रम 3 को लेकर दर्शकों के बीच काफी क्रेज देखने को मिला था। यह भारतीय ओटीटी पर सबसे अधिक देखी जाने वाली सीरीज बन गई। ऐसा लग रहा है कि ये सीरीज कोई नया रिकॉर्ड तोड़ने वाली है। आश्रम के पहले दो सीजन्स को लगभग 160 मिलियन व्यूज मिले थे। साथ ही, सीजन 3 के ट्रेलर रिलीज के छह घंटे के भीतर, शो पूरे भारत में ओटीटी पर नंबर 1 पर ट्रेंड कर रहा था।

बता दें कि हाल ही में मेकर्स ने आश्रम 4 का टीजर भी रिलीज किया है। प्रकाश झा के निर्देशन में बनी इस सीरीज के नए सीजन के टीजर ने अब दर्शकों में उत्सुकता को दोगुना कर दिया है। आश्रम 4 को बदनाम आश्रम सीजन 4 नाम दिया गया है।

अजब-गजब | कजाकिस्तान के कलाची नामक गांव की है अजीब दास्तां

इस गांव के लोगों को आती है इतनी गहरी नींद, चलते-फिरते सोने लगते हैं सड़कों पर

किसी इंसान को जब नींद आती है तो वो सब कुछ छोड़कर सोने लगता है। उसके बाद इंसान तब तक सोता रहता है। जब तक कि उसकी नींद पूरी ना हो जाए। कोई दो चार घंटे सोने के बाद ही जाग जाता है तो कोई सात या आठ घंटे की नींद लेता हष्ठ लेकिन कजाकिस्तान में एक ऐसा गांव है जहां के लोग चलते-फिरते सो जाते हैं। यही नहीं सोने के बाद वो कई दिनों तक नींद के आगोश में रहते हैं।

दरअसल, कजाकिस्तान के कलाची नाम के इस गांव में लोग ऐसे सोते है और इतना सोते हैं जिसकी कोई भी कल्पना नहीं कर सकता। बता दें कि उत्तरी कजाकिस्तान में बसे इस गांव के लोग रहस्यमयी तरीके से सोने की बीमारी से पीड़ति हैं। जब ये लोग एक बार सो जाते हैं तो कई दिनों और महीनों तक नहीं उठते। कलाची गांव से कई दिनों तक सोने का पहला मामला साल 2010 में सामने आया था। कुछ बच्चे अचानक स्कूल में गिर गए थे और सोने लगे थे। इसके बाद इस बीमारी के शिकार लोगों की संख्या बढ़ने लगी। तभी से वैज्ञानिक इस गांव पर रिसर्च कर रहे हैं। बता दें कि अभी तक डॉक्टर और वैज्ञानिक भी इस बीमारी का पता नहीं लगा पाए हैं कि आखिर लोग इतने दिनों तक कैसे सोते रहते हैं। हालांकि डॉक्टर्स का कहना है कि ऐसा यहां के दूषित पानी की वजह से हो रहा ह। रहस्यमयी तरीके से सोने के कारण इस गांव को अब स्लीपी होलो भी कहा जाने लगा ह। इल गांव की आबादी करीब 600 ह। इस गांव के करीब 14 फीसदी लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं। इस गांव के लोगों की सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात ये है कि जिनको भी ये बीमारी है उनको पता ही नहीं चलता की वो सो गए हैं। मतलब ये कि यहां के लोग कहीं भी सोते हुए मिल जाएंगे। वो मार्केट, स्कूल या सड़क पर कहीं भी सोने लगते हैं। उसके बाद वो कई दिनों तक सोते रहते हैं. बता दें कि कजाकिस्तान के इस गांव के पास कभी यूरेनियम की खदान हुआ करती थी, जो अब बंद हो चुकी है। इस खदान में जहरीला रेडिएशन होता रहता था। रिपोर्ट के मुताबिक इस खदान की वजह से ही लोगों को ऐसी अजीब बीमारी ने जकड़ लिया है। हालांकि इस गांव में अभी रेडिएशन की कोई खास मात्रा नहीं है।

ये हैं देश के सबसे खतरनाक हाईवे, जहां रात में गाड़ी चलाने से कतराते हैं बड़े-बड़े ड्राइवर

बहुत से लोग भूत-प्रेत और आत्माओं में विश्वास नहीं रखते, लेकिन हमारे देश में कई ऐसे हाइवे और रोड हैं जो इन सब चीजों पर विश्वास करने पर लोगों को मजबूर कर देते हैं। आज हम आपको देश के कुछ ऐसे ही रोड और हाइवे के बारे में बताने जा रहे हैं जहां जाने में लोगों के पसीने छूट जाते हैं। ये रास्ते इतने भूतिया हैं जहां लोग रात के वक्त जाने से कतराते हैं। ऐसा माना जाता है कि इन रास्तों पर रात के वक्त आत्माएं भटकरती ही हैं, जिसकी वजह से इन रास्तों से जो भी गुजरता है उनके साथ कोई ना कोई अनहोनी हो जाती है। इन सड़कों के बारे में ऐसी ही कई कहानियां प्रचलित हैं, जिनके बारे में लोग आज भी एक-दूसरे को बताते हैं। यह दो लाइन का हाइवे है। जो पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु को आपस में जोड़ता है। इस हाईवे पर चेन्नई से पुदुच्चेरी जाने वाला रास्ता काफी डरावना है कि यहां रात में जाने से डरते हैं। लोगों का कहना है कि रात में यहां सफेद साड़ी पहनकर एक महिला घूमती है, जिसे देखकर हर कोई घबरा जाता है और उसे देखकर गाड़ियों का एक्सीडेंट हो जाता है। बताया जाता है कि सफेद साड़ी वाली महिला को दिखने के बाद ड्राइवर को सड़क सिकुड़ने और रीढ़ की हड्डी में दर्द महसूस होने लगती है। **ब्लू क्रास रोड-** ये रोड चेन्नई में है। ये रोड इसलिए डरावना है कि क्योंकि इस रोड पर आत्महत्या करने वालों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। लोगों का कहना है कि यहां आत्महत्या करने वालों की आत्माएं इस रोड पर घूमती रहती हैं। **मार्वे-मड आइलैंड रोड-**ये रोड मुंबई और मड आइलैंड पर बनाया गया है ये बेहद खूबसूरत रोड है। यहां घूमने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। यहां पहुंचने का रास्ता बहुत ही डरावना है। कहा जाता है कि इस रोड पर रात में दुल्हन बनी महिला दिखाई देती है। **कशेदी घाट- मुंबई गोवा हाइवे-** इस हाईवे को भी बेहद डकावना माना जाता है ऐसा कहा जाता है कि इस रोड पर भूतों का साया है। अक्सर इस रोड पर गाड़ियां पलटना आम बात है।

यूपी में पूरी तरह चरमरा गई है प्रशासनिक व्यवस्था : अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में प्रशासनिक व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। अराजकता, अव्यवस्था और असुरक्षा के चलते कानून व्यवस्था कहने-सुनने की बात रह गई है। भाजपा सरकार दूसरी बार सत्ता में आने के बाद कुछ और ही कामों में व्यस्त दिखाई देती है जो काम सरकार के नहीं हैं। अपने संवैधानिक दायित्वों के निर्वहन में पूर्णतया विफल सरकार प्रदेश पर भार स्वरूप है।

» चारों ओर फैली है अराजकता और अव्यवस्था पुलिस कर रही उत्पीड़न

» संवैधानिक दायित्वों का निर्वाह करने में प्रदेश सरकार विफल

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में अब वही सुरक्षित है जिस पर सत्ता संरक्षित अपराधियों की निगाह नहीं पड़ी है। अब किसी को भी यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि उसे प्रशासन से सुरक्षा मिल सकती है क्योंकि भाजपा राज में पुलिस जब अपनी ही पिस्टल और कारतूस की सुरक्षा नहीं कर सकती है तो वह जनता की सुरक्षा क्या करेगी? मैनपुरी के करहल में दारोगा सोते रह गए और उनकी तकिये के नीचे से चोर सरकारी पिस्टल, 10 कारतूस और पर्स चुरा ले गए। हालात यहां तक बिगड़ गए हैं कि कानपुर में सिपाही की गर्दन रेत कर हत्या कर दी जाती है।

उन्होंने कहा कि अपनी रक्षा में विफल भाजपा सरकार में पुलिस वाले जनता का उत्पीड़न करने में जरा भी नहीं हिचकते हैं। बदायूं में पुलिस के उत्पीड़न के चलते युवती ने फंदे से लटककर जान दे दी। लखनऊ के दुबग्गा थाने में इंस्पेक्टर व सिपाहियों पर महिला पुलिस कर्मी से ही छेड़छाड़ की घटना भी सामने आई है। अयोध्या के बीकापुर में 50 हजार रूपए न देने पर पुलिस ने पिता व बेटी की पिटाई कर दी। कन्नौज में सिपाही ने युवती को नशीला पदार्थ पिलाकर होटल ले जाकर दुष्कर्म की घटना शर्मनाक है। उत्तर प्रदेश में ये कारनामें प्रशासनिक व्यवस्था पर गम्भीर प्रश्नचिन्ह लगा रहे हैं। नि:संदेह जब दाग खाकी पर लगेगा तो न्याय कहां मिल पाएगा? रक्षक ही जब भक्षक हो जाएगा तो नागरिक किसके पास जाकर अपने जानमाल की खैरियत मांगेगा? प्रदेश में कानून व्यवस्था को आदर्श बताने वालों के खोखले दावों की पोल रोज-ब-रोज खुलती रहती है।

नशा मुक्ति केंद्र में इलाज करा रहे युवक की संदिग्ध हालात में मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। थाना डौकी क्षेत्र के बुढ़ेरा गांव में संचालित नशा मुक्ति केंद्र पर इलाज करा रहे एटा के युवक की मंगलवार को संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजनों ने केंद्र के कर्मचारियों पर पीटने का आरोप लगाया है। शिकायत पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

एटा के जलेसर निवासी अभय कुमार ने पुलिस को बताया कि उनका भाई संजय प्रताप शराब पीता था। उसका नशा छुड़वाने के लिए तीन जून को बुढ़ेरा में खुले नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया गया था। छह जून की शाम केंद्र के एक कर्मचारी ने फोन करके संजय की मौत हो जाने की जानकारी दी थी। अभय ने केंद्र के कर्मचारियों पर पिटाई का आरोप लगाते हुए घटना की शिकायत डौकी थाने में की। मौत के बाद संचालक और कर्मचारी केंद्र बंद कर फरार हो गए।

डंपर से टकराई स्कार्पियो, भाजपा विधायक समेत चार घायल

» जिला अस्पताल से ट्रॉमा सेंटर रेफर, अपने गांव आ रहे थे विधायक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। चंदौली जिले के चकिया विधायक कैलाश खरवार की स्कार्पियो मंगलवार देर रात साढ़े 11 बजे चकिया-मुग़लसराय मार्ग पर गोल्हिया के पास खड़े डंपर में टकरा गई। हादसे में विधायक, उनका गनर और चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। लोगों ने उन्हें जिला चिकित्सालय चकिया पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें वाराणसी ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया।

चकिया से भाजपा विधायक कैलाश खरवार मंगलवार की रात करीब साढ़े ग्यारह बजे अपनी स्कार्पियो से भाजपा जिला उपाध्यक्ष काशीनाथ सिंह को उनके गांव रघुनाथपुर छोड़कर अपने गांव साराडीह लौट रहे थे। चकिया-मुगलसराय मार्ग पर गोल्हिया गांव के पास सड़क पर खड़े डंपर से उनकी स्कार्पियो टकरा गई। हादसे में विधायक कैलाश खरवार, उनका चालक ओमप्रकाश और गनर अनिल सरोज तथा संजय सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। विधायक के सिर और दाहिने हाथ में गंभीर चोटें आई और खून बहने लगा। सड़क से गुजर रहे लोगों ने सूचना देकर तीनों लोगों को चकिया स्थित संयुक्त जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जानकारी लगते ही पुलिस क्षेत्राधिकारी शेषमणि पाठक, कोतवाल राजेश यादव हॉस्पिटल पहुंच गए। विधायक की हालत गंभीर देखते हुए इमरजेंसी के डॉक्टर पवन कश्यप ने उन्हें ट्रामा सेंटर बीएचयू रेफर कर दिया है।

बस व केंटर में टक्कर कई घायल

अलीगढ़। अकराबाद के पास नेशनल हाइवे पर मंगलवार की देर रात गांव लधौआ नवनिर्मित बिजली घर के निकट मैनपुरी से दिल्ली जा रही रोडवेज बस आलू से भरी आयशर केंटर से टकरा गई। हादसे में दो दर्जन से अधिक यात्रियों के गंभीर चोटें आई हैं। हादसे की सूचना पर थाने चौकियों की फोर्स मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने सभी घायलों को एम्बुलेंस की मदद से उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा है। चालक बस को ओवरटेक कर रहा था, उसी समय हादसा हो गया। हादसे में अशोक कुमार, सीमा, मीरा देवी, निया यादव, आया, कुमकुम, सत्यपाल, सोनू, सुशीला, रमन सिंह, गौरव, संगीता गुप्ता, जय गुप्ता, हिमांशी गुप्ता, पिंटू, सौरव, मोहित सिंह आदि घायल हो गए।

पबजी खेलने से रोका तो मां को मारी गोली, तीन दिन तक छिपाए रखा शव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पबजी गेम के आदी नाबालिग बेटे ने मां साधना सिंह (40) की गोली मारकर हत्या कर दी। उसके शव के साथ दो दिन व तीन रात तक घर में रहा। वहीं छोटी बहन को धमकी दी कि अगर पुलिस या किसी को बताया तो उसे भी मार देगा। मंगलवार को बदबू फैलने लगी तो कहानी गढ़ी और पिता को सूचना दी। नाबालिग बेटे से पूछताछ की गई तो हकीकत सामने आ गई। पति सेना में सूबेदार मेजर (जेसीओ) के पद पर आसनसोल में तैनात है।

» सूबेदार मेजर के पद पर तैनात है मृतका के पति

» लखनऊ के जमुनापुरम कॉलोनी की घटना

मूलरूप से वाराणसी के रहने वाले नवीन सिंह सेना में सूबेदार मेजर (जेसीओ) के पद पर तैनात है। वह परिवार के साथ जमुनापुरम कॉलोनी में रहते हैं। नवीन के परिवार में पत्नी साधना सिंह, 16 साल का बेटा और 9 साल की बेटी है। शनिवार रात बेटे ने पिता की लाइसेंसी पिस्तौल से सिर में गोली मार दी जिससे मां साधना की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी दो दिन व तीन रात तक घर में बहन के साथ रहा। मंगलवार रात बदबू तेज हुई तो उसने पिता को सूचना दी कि मां को किसी ने मार दिया। उसने कुबूल किया कि वह पबजी गेम खेलता था। जिसके लिए उसकी पिटाई होती थी। शनिवार को घर में 10 हजार गायब हो गये थे। जिस पर मां ने चोरी करने का आरोप लगाते हुए पिटाई की थी। इसी नाराजगी में उसने मां की हत्या कर दी है।

मोबाइल पर लूडो खेलने से नाराज पिता ने बेटे को मार डाला

आजमगढ़। रौनापार थाना क्षेत्र के महुला बगीचा गांव में पिता की मोबाइल पर लूडो खेलना एक बच्चे की जान पर भारी पड़ गया। पिता ने उसकी इतनी पिटाई की कि उसकी जान चली गई। उसके बाद पिता ने अपने भाइयों के साथ मिलकर शव को नदी किनारे दफन कर दिया। पुलिस ने पिता को हिरासत में ले लिया और उसके भाइयों की तलाश में जुट गई है। गांव के जितेंद्र निषाद का इकलौता पुत्र लकी उर्फ धर्मवीर चार जून की की देर शाम घर के बाहर अपने पिता की मोबाइल पर लूडो खेल रहा था। इस पर नाराज पिता ने जमकर पिटाई कर दी जिससे उसकी मौत हो गई। अपने भाई व चचेरे भाई के साथ मिलकर बेटे के शव को घर से एक किमी पश्चिम नदी के किनारे ले जाकर गाड़ दिया। इसकी सूचना जितेंद्र के ससुराल गौरीडीह वालों को मिली तो उन्होंने पुलिस को जानकारी दी। सूचना के बाद मंगलवार की शाम पहुंची पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर थाने ले गई। धर्मबीर ऊर्फ लकी कक्षा दो में पढ़ रहा था।

मीडिया के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण है आज का दौर!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। क्या वाकई टीवी चैनलों पर हो रही बहसों से समाज में किसी स्वस्थ विमर्श की शुरुआत होती है या हो सकती है? क्या टीवी चैनलों के संपादकों को नहीं मालूम कि स्टूडियों से निकल कर यह आग और जहर समाज में भी फैलता है? ऐसे में सवाल उठता हैं कि हालात किसने बिगाड़े, जहर उगलते नेताओं ने या जहरीली मीडिया ने? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार उमाकांत लखेड़ा, अशोक वानखेड़े, डॉ. राकेश पाठक, राजेश बादल, प्रो. सुधांशु कुमार, डॉ. विजय श्रीवास्तव और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

प्रो. सुधांशु कुमार ने कहा, जिस चैनल पर यह घटना घटी, उस चैनल की एंकर नाविका कुमार, वे शब्द तुरंत म्यूट भी कर सकती थी। वे कहती कि ऐसी बातें हमारे चैनल में नहीं चलेगी। मीडिया, नेता और कुछ लोगों ने एक तरह का गठजोड़ तैयार कर रखा है। कुछ लोग अपनी गरिमा व नैतिकता भूल चुके हैं। उमाकांत लखेड़ा ने कहा, ये जो हुआ, अचानक नहीं हुआ। यह प्रक्रिया लगातार चल रही है। ऐसी चीजें सामने आएगी ही। अभी के जो पीएम है, आठ साल में कोई पीसी की नहीं। ऐसे में जो बोया जा रहा है, ये उसी की फसल है। वर्तमान में जो हालात है वो बहुत ही विस्फोटक है। मीडिया के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण दौर है। डॉ. विजय श्रीवास्तव ने कहा कि आज के दौर की जो मीडिया है, राजनीति है, उसमें बहुत विरोधाभास है। डॉ. राकेश पाठक ने शेर अर्ज किया कि किसको कातिल मैं कहूं, किसको मसीहा समझूं, सब यहां दोस्त ही बैठे हैं किसे क्या समझूं, वो भी क्या दिन थे...। हकीकत यही है कि हम सब शरीके जुर्म है। अशोक वानखेड़े ने कहा विनीत जैन से पूछे कि ये नुपूर वाला मामला है क्या, शायद वे इसका जवाब नहीं दे पाए। एंकर पार्टी बनते जा रहे हैं। मैनेज न कर बल्कि ऐसे सवाल पूछते हैं, जो सच्चाई नहीं है। इस कारण मैंने कई टीवी शो छोड़ दिए। डिबेट तक छोड़ दी। चैनल की भाषा में कहो तो डिस्कशन गर्म करो।

राजेश बादल ने कहा, बिना अध्ययन के बड़े पदों पर पहुंच गए कुछ लोग, कम से कम विषयों पर गहराई से मंथन करें और बोले तो ठीक रहेगा।

हर गांव हर घर में नल कनेक्शन देने का चलाएं महाभियान : स्वतंत्र देव

» जलशक्ति मंत्री ने बुंदेलखंड के गांवों पर दिया जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा है कि सितंबर से नवंबर तक बुंदेलखंड के गांव-गांव हर घर नल कनेक्शन देने का महाभियान चलाएं। इसकी पूरी तैयारी की जाए। साथ ही 100 दिन की कार्ययोजना में शामिल बुंदेलखंड समेत 75 जिलों में चल रहे हर घर जल योजना का ब्योरा मांगा है। उन्होंने अधिकारियों व कर्मचारियों को जिलेवार योजना का निरंतर निरीक्षण करने के भी निर्देश दिए हैं।

जलशक्ति मंत्री सिंह ने महाराणा प्रताप मार्ग स्थित जल निगम ग्रामीण मुख्यालय सभागार में जल जीवन मिशन के तहत 100 दिन की कार्ययोजना पर बैठक कर विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि कराए जा रहे कार्यों में गुणवत्ता व समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए। मानसून शुरू होने से पहले निचले इलाकों में पाइप डालने समेत अन्य कार्य पूरे कर लिए जाएं, वहीं पाइप डालने के दौरान गांव में खोदी गई सड़कों या चकरोडों को तत्काल दुरुस्त कराने का भी निर्देश दिया। भूगर्भ जल विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि ग्राम पंचायतों में भूगर्भ जल की वर्तमान स्थिति रिपोर्ट 30 जून तक उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना के तहत अधिक से अधिक पात्र किसानों को शामिल करें। प्रमुख सचिव नमामि गंगे अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि उनके निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन कराया जाएगा। समीक्षा बैठक में एमडी जल निगम बलकार सिंह, अधिशासी निदेशक राजेश पांडेय समेत अधिकारी उपस्थित थे।

मिट्टी बचाओ

लखनऊ। सद्गुरू राजधानी लखनऊ में है। उन्होंने यूपी विधानसभा के सामने योगी सरकार में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव से मुलाकात की और उन्हें मिट्टी बचाने के लिए जागरूकता अभियान चलाने के लिए प्रेरित किया। सेव सोईल के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में लखनऊ के कई स्कूलों के बच्चों ने भाग लिया और मिट्टी बचाने का संकल्प लिया।

अन्ना हजारे दिल्ली में फिर भरेंगे हुंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार के खिलाफ वर्ष 2011 में राजधानी दिल्ली में जबर्दस्त आंदोलन चला चुके सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे एक बार फिर हुंकार भरने की तैयारी में नजर आ रहे हैं। उन्होंने अपने नए संगठन राष्ट्रीय लोक आंदोलन का गठन किया है। 84 वर्षीय अन्ना हजारे इस संगठन का एलान अपने जन्म दिन 19 जून को करने वाले हैं।

अन्ना 19 जून को दिल्ली आ रहे हैं। वे यहां अपने नए संगठन के कार्यकर्ताओं के एक दिनी प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह संगठन भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन करेगा। लोकायुक्त कानून में विलंब को लेकर चेतावनी दी थी। उन्होंने इस मामले में पूरे महाराष्ट्र में आंदोलन का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि यदि महाराष्ट्र सरकार ने अगस्त तक ये कानून नहीं बनाया तो पूरे राज्य में आंदोलन चलाया जाएगा। 15 मई को अन्ना ने सीएम उद्धव ठाकरे को इसे बारे में पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने कहा था कि देश में कुछ राज्यों ने लोकायुक्त कानूनों को मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार अधिसूचित कर दिया है, लेकिन महाराष्ट्र में अब तक नहीं हुआ है।

आजादी का अमृत महोत्सव: आयकर विभाग कल निकालेगा साइकिल रैली

» दस जून को रमाबाई अंबेडकर मैदान में होगा पौधारोपण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आयकर विभाग लखनऊ भी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इसी कड़ी में बीते कई दिनों से कार्यक्रम की तैयारियां जारी हैं। कल महोत्सव कार्यक्रम के तहत आयकर विभाग द्वारा साइकिल रैली का आयोजन किया जाएगा। इस रैली में 200 से ज्यादा लोग भाग लेंगे। यह रैली सुबह छह बजे प्रत्यक्ष कर भवन, 57 राम तीर्थ मार्ग लखनऊ से प्रारंभ होकर सुबह साढ़े सात बजे उसी जगह पर वापस प्रस्थान करेगी।

आयकर अधिकारी विमलेश राय ने बताया कि इस रैली के मुख्य अतिथि हरिन्दर बीर सिंह गिल प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त पूर्वी उत्तर प्रदेश होंगे। यह रैली प्रत्यक्ष कर भवन से शुरू होते हुए सिकंदर बाग चौराहा, सहारा गंज तिराहा, नेशनल पीजी कॉलेज, होटल क्लॉर्क अवध, बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट, शहीद स्मारक व रेजीडेन्सी, डालीगंज चौराहा, क्लार्क्स अवध, परिवर्तन चौक, बाबू केडी सिंह स्टेडियम, हजरतगंज चौराहा, आयकर भवन, सिकंदर बाग चौराहा प्रत्यक्ष कर भवन पर आकर वापस खत्म होगी। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत आज प्रत्यक्ष कर भवन के तिरुकुटा ऑडिटोरियम में शाम छह बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। इसकी तैयारियों में लोग जुटे हुए हैं। वहीं कल सुबह छह बजे साइकिल रैली निकलेगी। जबकि दस जून को महाराजा बिजली पासी किला स्थित श्री काशीराम सांस्कृतिक स्थल रमाबाई अंबेडकर मैदान में पौधारोपण होंगे, जिसमें विभिन्न प्रजाति के पौधे लगाए जाएंगे। बता दें कि आयकर विभाग द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम छह जून से शुरू हुआ था, इसका समापन 11 जून को होगा।

फोटो: 4पीएम

धरना राजधानी लखनऊ में कांग्रेस मुख्यालय में काम करने वाले कर्मचारियों को कांग्रेस ने काम से निकाला तो वो लोग पार्टी कार्यालय में धरने पर बैठ गए। विरोध प्रदर्शन किया।

छात्रों के भविष्य के साथ हो रहा खिलवाड़ : सुप्रीम कोर्ट

» शीर्ष अदालत ने नीट-पीजी में खाली सीटों पर जताई नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नीट पीजी में 1456 खाली सीटों पर मेडिकल काउंसलिंग कमेटी को फटकार लगाते हुए कहा कि अगर छात्रों को प्रवेश नहीं दिया जाता है, तो वह आदेश पारित करेगा और उन्हें मुआवजा भी देगा।

न्यायमूर्ति एमआर शाह और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की अवकाशकालीन पीठ ने एमसीसी के वकील से कहा कि भले ही एकल पाठ्यक्रम खाली रह गया हो... यह देखना आपका कर्तव्य है कि सीटें खाली न रहें। पीठ ने इस पर नाराजगी जताई कि 2021-22 सत्र में मेडिकल कालेजों में 1456 सीटें खाली रह गई हैं। पीठ का कहना है कि एमसीसी और केंद्र सरकार छात्रों के लिए काउंसलिंग का माप अप राउंड आयोजित नहीं करके उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। पीठ ने कहा आप छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। पीठ ने कहा कि मई में अधिकारियों को पता चला कि सीटें खाली हैं, तो उन्होंने माप अप राउंड क्यों नहीं किया। पीठ ने कहा काउंसिलिंग के दौरान आप सीटों को क्यों जोड़ रहे हैं?

संविदा कर्मियों का वेतन रोका तो बताना होगा कारण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निकायों में संविदा कर्मियों को वेतन देने में अब मनमानी नहीं चलेगी। बिना वजह वेतन रोककर कर्मचारियों को परेशान करने वालों के खिलाफ शासन ने सख्ती करने के निर्देश दिए हैं। कहा है कि अगर जरूरी है तभी संविदा कर्मियों का वेतन रोका जाए और इसका वाजिब कारण भी बताया जाए। वेतन रोकने के मामलों के संबंध में स्थानीय निकाय निदेशालय ने निकायों से जानकारी मांगी है। संयुक्त निदेशक स्थानीय निकाय गंगा राम गुप्ता की ओर से निकायों को भेजे गए पत्र में कार्यरत सभी प्रकार के नियमित संविदा, दैनिक, आउटसोर्स कर्मियों के वेतन भुगतान की स्थिति के बारे में जानकारी मांगी गई है। यह भी पूछा गया है कि संविदा कर्मियों को वेतन देने में किसी प्रकार की दिक्कत तो नहीं है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।